हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

11 स्लोगन-पोस्टर से संविधान का महत्व दर्शाया

12 श्रम संहिताओं के विरोध में विभिन्न कर्मचारी...

खबर संक्षेप

एयर क्वालिटी आंकड़ों पर फिर उठे सवाल

बहादुरगढ़। सीपीसीबी की समीर ऐप के अनुसार बुधवार शाम 4 बजे बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 222 दर्ज किया गया। हैरानी की बात यह है कि बहादुरगढ़ के दोनों ओर स्थित शहरों में उसी समय प्रदूषण स्तर कहीं अधिक गंभीर श्रेणी में रिकॉर्ड हुआ। दिल्ली में एक्यूआई 327 और रोहतक में 325 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार किसी स्टेशन में सेंसर की खराबी या डेटा अपलोडिंग में दिक्कत आने पर ऐसे असामान्य आंकड़े सामने आ सकते हैं। दोनों तरफ हवा की इतनी खराब स्थिति होने के बावजूद बहादुरगढ़ का एक्यूआई अपेक्षाकृत कम दिखाया जाना मशीनी त्रुटि या तकनीकी गलती का संकेत दे रहा है। हालांकि वास्तविक स्थिति इससे उलट है। शहर में प्रदूषित हवा से राहत अभी भी दूर है। बीते डेढ़ महीने से बहादुरगढ़ में लोगों को सांस लेना मुश्किल हो रहा है। सुबह और रात के समय हवा में धुंध एवं प्रदूषण की परत साफ दिखाई देती है।

मकान से आभूषण और नकदी चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी के मामले नहीं थम रहे। आए दिन कहीं न कहीं वारदात हो रही हैं। अब गांव सौंधी स्थित एक मकान में वारदात हो गई। चोर सोने के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर गए। बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात अशोक के मकान में हुई है। अशोक का कहना है कि अल सुबह तीन से करीब साढ़े तीन बजे के बीच यह वारदात हुई। पांच व्यक्ति दीवार फांदकर मकान में घुसे और कमरों में सामान खंगाल दिया। एक कमरे की अलमारी से सोने की चेन व दस हजार रुपये निकाल कर चंपत हो गए।

जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर कल

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को जिला कारागार परिसर में हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि शिविर में चिकित्सकों की टीम स्वास्थ्य परीक्षण करेगी व आवश्यक परामर्श और उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। साथ ही, बीमारियों की रोकथाम, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जानकारी भी दी जाएगी।

झज्जर रोड से ई-रिक्शा उड़ा ले गए चोर

बहादुरगढ़। झज्जर रोड स्थित एक फार्म के बाहर से ई-रिक्शा चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। परनाला के निवासी अमित का कहना है कि वह झज्जर रोड स्थित एक फार्म में गया था। अपनी ई-रिक्शा बाहर खड़ी कर दी। फिर अंदर चला गया। कुछ देर बाद बाहर निकला तो रिक्शा नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्टेडियम से लेकर पीजीआई तक की अव्यवस्थाओं को कोस रहे अमन के परिजन

जहां मेडल जीतने की गूंज थी, वहां अब पसरा मातम

बदहाल व्यवस्थाओं के कारण एक परिवार का चिराग बुझ गया और खेल जगत ने एक उभरती प्रतिभा हमेशा के लिए खो दी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कुछ दिन पहले तक जिस घर में अमन के मेडल जीतने की खुशी गूंज रही थी, आज वहां मातम पसरा हुआ है। माता-पिता समेत पूरे परिवार का रोना थम नहीं रहा। बदहाल व्यवस्थाओं के कारण एक परिवार का चिराग बुझ गया और खेल जगत ने एक उभरती प्रतिभा हमेशा के लिए खो दी। अमन की मौत के बाद लोग स्टेडियम से लेकर पीजीआई रोहतक तक की अव्यवस्थाओं को कोस रहे हैं।

लाइनपार का 15 वर्षीय अमन रविवार दोपहर घर से यह कहकर निकला था कि थोड़ी देर खेलकर वापस आ जाएगा। उसकी मां ने रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह खेलने की जिद पर अड़ा रहा।

बहादुरगढ़। अमन की मौत पर विलाप करते परिजन।

उसी समय उसकी बुआ अपने बेटे की शादी का भात न्योतने आई थीं। शादी के लिए अच्छे कपड़ों और 4 हजार रुपये के जूतों की फरमाइश अमन ने पिता से की थी, और पिता ने उसे भरोसा दिलाया था कि वे उसकी यह इच्छा जरूर पूरी करेंगे। सुरेश दिल्ली के डीआरडीओ सेना भवन में कांट्रेक्ट पर काम करते हैं और बेटे की जरूरतें पूरी करने के लिए अतिरिक्त रूप से रैपिडो भी चलाते थे। कुछ दिन पहले ही स्कूल में हुए खेल मुकाबलों में अमन ने तीन मेडल जीते थे। वे मेडल उसने पिता के गले में डालकर बड़े खिलाड़ी बनने का सपना भी जताया था, लेकिन सरकारी लापरवाही ने उसकी उड़ान को शुरू होने से पहले ही खत्म कर दिया।

डॉक्टरों ने अल्ट्रासाउंड समेत जरूरी उपचार नहीं दिया

बेटे को याद करते हुए पिता सुरेश बार-बार टूट जाते हैं। वह आखिरी बार जब अमन ने कहा था कि पापा, मुझे पानी पिला दो..यह वाक्य आज भी उन्हें झकझोर देता है। परिवार का आरोप है कि हादसे के बाद जब वे अमन को लेकर पीजीआई पहुंचे तो डॉक्टरों ने समय पर अल्ट्रासाउंड समेत जरूरी उपचार नहीं दिया। किसी ने उनकी गुहार नहीं सुनी और अमन ने उनके हाथों में ही दम तोड़ दिया। उनका कहना है कि सही समय पर इलाज मिलता तो शायद अमन बच सकता था। इधर शोक व्यक्त करने के लिए लोग घर पहुंच रहे हैं, लेकिन न शिक्षा विभाग, न खेल विभाग और न ही स्थानीय प्रशासन का कोई अधिकारी परिवार का दर्द बांटने आया है।

बेटे की मौत पर विलाप करता अमन का पिता।

अमन की मौत पर खेल विभाग ने मानी लापरवाही

बहादुरगढ़। बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन की मौत ने खेल तंत्र की भारी लापरवाही को एक बार फिर बेनकाब कर दिया है। जिस बास्केटबॉल पोल के नीचे दबकर अमन की जान गई, वह न सिर्फ पुराना था बल्कि पूरी तरह जर्जर हो चुका था। पोल का बेस जंग में लगभग खत्म हो गया था, इसके बावजूद शिक्षा विभाग से लेकर खेल विभाग और स्थानीय प्रशासन सभी ने इस खतरनाक उपकरण की वर्षों से सुध नहीं ली। हादसे के बाद अब विभाग ने भी गलती मानी है। अब विभाग कमेटी बनाने और उपकरण जांचने की बात कर रहा है। जिला खेल अधिकारी सत्येन्द्र कुमार का कहना है कि लंबे समय से पोल की किसी तरह की रिपेयर नहीं हुई, गलती तो हमारी है ही। अधिकारी का कहना है कि सीनियर कोच और राजीव गांधी खेल स्टेडियमों के इंचार्ज को जांच कमेटी में शामिल कर सभी उपकरणों की जांच की जाएगी। खराब उपकरण हटाने और नए उपकरण लगाने के लिए बजट मांगा जाएगा, लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या एक होनहार खिलाड़ी की जान जाने के बाद ही सिस्टम की नींद खुलेगी? क्या ये कदम पहले नहीं उठाए जा सकते थे? करीब तीन साल पहले भी यहां एक पोल गिरा था। आखिर उस हादसे से सबक क्यों नहीं लिया गया।

स्टेडियम में गिरा हुआ बॉस्केट पोल।

एचओए ने अमन की मौत पर जताया दुख

बहादुरगढ़। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने बॉस्केटबॉल खिलाड़ी अमन की मौत पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। खत्री ने कहा कि जिस तरह से ये हादसा हुआ है, वो बेहद दुखद है। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही जरूर होगी। एसोसिएशन खिलाड़ियों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन ऐसी घटनाओं से काफी झटका लगता है। प्रदेश के सभी खेल स्टेडियमों और खेल उपकरणों और सुविधाओं की जांच होनी चाहिए। जर्जर सामान को हटाकर उनके स्थान पर नए और आधुनिक उपकरण लगाए जाने चाहिए।

बहादुरगढ़। अमन के परिवार को सांत्वना देते एचओए के उपाध्यक्ष अनिल खत्री। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। अमन की मौत पर रोष व्यक्त करते राजेंद्र जून व अन्य।

अमन की मौत पर पूर्व विधायक ने जताया रोष

बहादुरगढ़। बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन की मौत ने शहरवासियों को झकझोर दिया है। पूर्व विधायक राजेंद्र जून बुधवार को लाइनपार स्थित वत्स कॉलोनी में उनके घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को विभागीय लापरवाही, प्रशासनिक असफलता और सरकार की उदासीनता का नतीजा बताया। पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि बहादुरगढ़ की तरह रोहतक के लाखनमाजरा में भी ऐसे ही हादसे में बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक की जान चली गई। लगातार दो खिलाड़ियों की असमय मौत महज दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता से हुई हत्याएं हैं। जून के अनुसार सीएम नायब सिंह सैनी की भी इस घटना पर सीधी जिम्मेदारी बनती है। भाजपा सरकार सिर्फ घोषणाओं में व्यस्त है और खिलाड़ियों की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं। पूर्व विधायक ने मांग करते हुए कहा कि अमन की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई हो, जर्जर उपकरण बदले जाएं और पीड़ित परिवार को न्याय व उचित मुआवजा मिले।

शादी में चली गोली दो युवकों को लगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नजफगढ़ रोड स्थित राठी फार्म में शादी समारोह के दौरान गोली चल गई। गोली लगने से दो युवक घायल हो गए। इस संबंध में किसी की तरफ से भी पुलिस को शिकायत नहीं दी गई लेकिन मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अपने स्तर पर जान से मारने के प्रयास, शस्त्र अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

घायल ने नहीं दिए बयान तो पुलिस ने खुद की एफआईआर

वारदात मंगलवार की रात को हुई। जानकारी के अनुसार, शक्ति नगर के निवासी नवीन का यहां राठी फार्म में शादी समारोह था। नवीन के काफी दोस्त आए हुए थे। नाच-गाने के दौरान यहां अचानक गोली चल गई। गोली लगने से योगेश व जितेश घायल हो गए। योगेश को बहादुरगढ़ के आरजे अस्पताल तो जितेश को झज्जर के ओस्कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब किसी ने कुछ नहीं बताया। वहीं, अस्पताल में भर्ती योगेश ने भी पुलिस को कोई बयान नहीं दिए।

पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि शादी में दूल्हे का दोस्त बादली का निवासी जितेश आया हुआ था। उसके पास हथियार था, जिसे वह बार-बार लहरा रहा था। इसी दौरान गोली चल गई। गोली उसकी हथेली से आरपार होकर नयागांव के निवासी योगेश की कोहनी में जा लगी। वारदात के बाद वह मौके से फरार हो गया। गोली लाइसेंस शुदा हथियार से चली या अवैध से, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। सिटी थाना प्रभारी एसएचओ दिनकर यादव ने कहा कि राठी फार्म में आयोजित शादी समारोह में एक युवक से गोली चली है। गोली खुद उस युवक की हथेली व उसके दोस्त की कोहनी में लगी। केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नागरिक अस्पताल के शवगृह में लगी आग मामले में जांच कमेटी गठित, शुरू हुआ मरम्मत कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

पिछले दिनों नागरिक अस्पताल के शवगृह में हुई आगजनी की घटना मामले में अस्पताल प्रशासन द्वारा कमेटी का गठन किया गया। सिविल सर्जन डॉक्टर तीर्थ सिंह बागड़ी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

सीएमओ डॉक्टर जयमाला ने कहा कि आगामी दो-तीन दिनों में शवगृह को पूरी तरह से तैयार कर दिया जाएगा। इसके अलावा जल्द ही नए आधुनिक शवगृह का निर्माण भी किया जाएगा जिसके लिए प्रपोजल तैयार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि किसी की गलती मिलती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बता दें कि बीते शुक्रवार की सुबह अज्ञात कारणों से नागरिक अस्पताल के शवगृह के बिसरा पैकिंग रूम में आग लग गई थी। कर्मचारियों ने जब शवगृह की बिल्डिंग से धुंआ उठते देखा तो उन्होंने अस्पताल में मौजूद अग्निशामक यंत्रों की सहायता से करीब पन्द्रह मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था।

झज्जर। शव गृह में आग लगने के बाद बाहर रखा सामान। (फाईल फोटो)

आगजनी की इस घटना में जहां बिल्डिंग के तीनों कमरे की दीवारें व छत क्षतिग्रस्त हो गई वहीं जिस कमरे में आग लगी वहां रखा सामान भी बुरी तरह झुलस गया था। इसके बाद अधिकारियों द्वारा मौका-मुआयना भी किया गया था। बंद हुई लाइट व्यवस्था के कारण संबंधित स्टाफ सदस्यों को शवगृह परिसर में पर्दे लगाकर शव का पोस्टमार्टम करना पड़ रहा था।

बाईपास पर गाड़ियां टकराने से कई घायल, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बुधवार की सुबह एचएल सिटी के पास नेशनल हाइवे पर जबरदस्त हादसा हो गया। यहां एक कार के अचानक ब्रेक लगने से तीन वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे में कई लोग घायल हुए, जिनमें तीन को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल एक युवक को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

हादसा सुबह करीब 9 बजे झज्जर रोड फ्लाईओवर पर हुआ। जानकारी के अनुसार, यहां एक स्कोडा कार ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इस वजह से पीछे आ रही किया सोनेट कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इसी दौरान सोनेट कार एक पिकअप व स्विफ्ट कार से भी जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सोनेट का एक टायर निकलकर सड़क पर दूर जा गिरा। सड़क किनारे जूस व मूंगफली बेचने वाले दुकानदार टायर से बाल-बाल बच गए।

बहादुरगढ़। सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त कार।

तीन गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त

सोनेट कार में सवार तीन लोग नवीन, निर्मला और ज्योति निवासी किलोई घायल हो गए। बताया गया कि वे गुरुग्राम स्थित माता मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे। तीनों को नागरिक अस्पताल लाया गया। ड्राइवर नवीन की हालत गंभीर होने पर उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। घायल मां-बेटी का उपचार नागरिक अस्पताल में जारी है। हादसे में पिकअप चालक के हाथ में भी चोट आई, जबकि स्विफ्ट कार सवार को भी हल्की चोट लगने की जानकारी है। प्रत्यक्षदर्शी तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लगाने के साथ-साथ सड़क पर मौजूद गड्ढे को भी हादसे का संभावित कारण बता रहे हैं। हादसे में तीन गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

सुशील गुप्ता की फर्जी फेसबुक आईडी बनाई

बहादुरगढ़। राज्यसभा के पूर्व सांसद एवं आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता की फर्जी फेसबुक आईडी बना ली गई है। उन्होंने लोगों से सावधान रहने की अपील करते हुए किसी को भी कोई पैसा नहीं देने का अनुरोध किया। बता दें कि अज्ञात शरारती तत्वों ने डॉ. सुशील गुप्ता के नाम और फोटो का इस्तेमाल करते हुए नकली आईडी तैयार की और लोगों से संपर्क साधने की कोशिश की। डॉ. सुशील गुप्ता ने खुद अपने अधिकृत फेसबुक अकाउंट पर इस फर्जी आईडी का स्क्रीनशॉट साझा किया है। साथ ही उन्होंने समर्थकों और आम जनता से अपील की है कि उनके नाम से किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद, चंदा या रुपये आदि की मांग की जाए तो किसी भी स्थिति में पैसे न दें। बता दें कि सोशल मीडिया पर नेताओं और प्रभावशाली लोगों की फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, ऐसे में साइबर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की जरूरत एक बार फिर सामने आई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता ने संविधान दिवस पर कहा कि संघीय ढांचे पर हमला हो रहा है। जाति धर्म के नाम पर बांटने का काम हो रहा है। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की सरकारों की शक्तियों और अधिकारों पर हमला किया जा रहा है। संविधान की धज्जियां उड़ाकर एक आदमी कई कई जगहों पर वोट डाल रहा है।

कुत्ते ने पांच से अधिक लोगों को काटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

बुधवार को शहर के पालिका बाजार में कुत्ते ने पांच से अधिक लोगों को काट लिया। जिसके कारण दुकानदारों व राहगीरों के बीच भय व्याप्त है। पालिका बाजार के दुकानदार विकास गोयल, सुदेश कुमार, अशोक कुमार आदि ने बताया कि बीते तीन दिनों से संबंधित कुत्ता मोटरसाइकिल सवार व पैदल लोगों को काट रहा है। सुबह करीब दस बजे से दोपहर चार बजे तक उसने पालिका बाजार व जगदम्बा मार्केट में कई लोगों को निशाना बनाया। कुत्तों द्वारा लोगों पर हमला करने की बात सुनकर जहां ग्राहक दोनों मार्केट की दुकानों में प्रवेश करने से कतराने लगे हैं वहीं दुकानदारों में भी भय बना हुआ है। शिकार लोगों में बुजुर्ग रमेश कुमार, आर्यन, सतीश, दुकानदार संजय व महाबीर शामिल हैं। दुकानदारों के अनुसार इससे पहले भी एक महिला सफाई कर्मी, एक शिक्षक तथा नन्हीं बच्ची सहित अन्य लोगों को अपना शिकार बनाया है। इससे उनकी दुकानदारी प्रभावित हो रही है। दुकानदारों ने नगर परिषद से मांग की है कि इस कुत्ते को पकड़ कर दूर भेजा जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। पीड़ित लोगों द्वारा सरकारी व निजी अस्पतालों में अपना उपचार कराया जा रहा है।

झज्जर। अस्पताल में उपचाराधीन छाराचुंगी निवासी सतीश व अस्पताल में उपचाराधीनपीड़ित युवक आर्यन। फोटो : हरिभूमि

मामले की सूचना पर भेजे गए नप कर्मचारी

नप के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा उनके संज्ञान में यह मामला लाया गया है। जिस पर कार्रवाई करते हुए नगर परिषद कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया था लेकिन कुत्ता वहां नहीं मिला। कुत्ते को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

30 गांवों में कैंप लगा जांची 4 हजार लोगों की सेहत

एलोपैथी के बाद आयुर्वेदिक, होम्योपैथी व प्राकृतिक चिकित्सा भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

महाराजा अग्रसेन सतनारायण गुप्ता अस्पताल में एलोपैथी से उपचार जारी है। लेकिन यहां आयुष के तहत आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा भी एक महीने में शुरू कर दी जाएगी। अब तक अस्पताल 30 गांवों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगा चुका है। जिनमें करीब 4 हजार लोगों की सेहत जांची गई है।

महाराजा अग्रसेन अस्पताल चेरिटेबल ट्रस्ट के सलाहकार डॉ. सुशील गुप्ता ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि महाराजा अग्रसेन मेडिकल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत केदारनाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज, पैरा मेडिकल कॉलेज, अस्पताल मैनेजमेंट कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज आदि बनाए जा रहे हैं। उनके साथ पूर्व चेयरमैन अशोक गुप्ता व संजय गुप्ता ने दावा किया कि सेवा के इस माध्यम से पूरे उत्तर भारत को स्वास्थ्य लाभ होगा। उन्होंने दोहराया कि ट्रस्ट द्वारा 30 एकड़ में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत में यह प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। पूर्व सांसद डॉ. सुशील गुप्ता के अनुसार नर्सिंग हॉस्पिटल की भांति महाराजा अग्रसेन सतनारायण गुप्ता अस्पताल में भी मरीज बढ़े हैं।

बहादुरगढ़। पत्रकारों को जानकारी देते डॉ. सुशील गुप्ता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

यहां ओपीडी में प्रतिदिन 9 से 2 तक मरीजों को फ्री परामर्श दिया जाता है। उन्होंने बताया कि जनवरी से अक्टूबर तक यहां ओपीडी में करीब 40 हजार मरीज आ चुके हैं। इसके अलावा करीब साढ़े 3 हजार भर्ती होकर उपचार करवा चुके हैं। अब भी 250 मरीज भर्ती हैं।

अस्पताल में अभी सभी प्रकार की ओपीडी फ्री हैं और यहां जनरल मेडिसन, जनरल सर्जरी, आइस, ईएनटी, डेंटल डिपार्टमेंट, स्त्री रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजी समेत सभी फैसिलिटी के डॉक्टर उपलब्ध हैं। यहां 2 सौ से अधिक विख्यात चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। संस्था ने यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं दी हैं।

स्पर्श-ऊर्जा का अनोखा एहसास कराए वूल योगा

योगा करने से तन-मन को लाभ तो होता ही है। लेकिन इन सर्दियों में अगर उसे करते समय वूलेन ड्रेस पहनी जाए तो आपको स्पर्श संवेदना के साथ ऊर्जा का अनोखा एहसास भी होगा। वूल योगा युवाओं को क्यों भा रहा है और इससे किस तरह के फायदे हैं, जानिए।

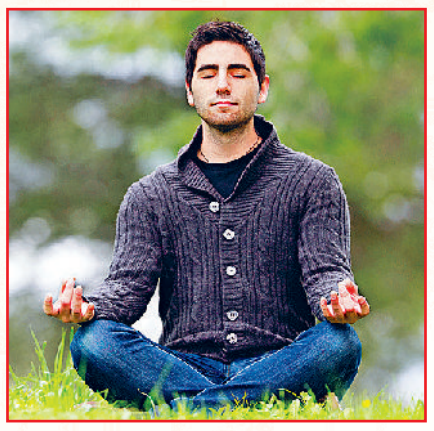

योगा ट्रेंड

दिव्यज्योति 'नंदन'

नवंबर-दिसंबर की ठंडी सुबहें जब कांच-सी पारदर्शी धुंध में लिपटी होती हैं, तब योगाभ्यास करने से अधिकतर लोग कतराने लगते हैं। लेकिन इन दिनों कुछ ऐसे युवा भी हैं, जो गर्म अहसास बनाए रखने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं, उन्हीं में से एक है- 'वूल योगा' यानी ऊनी वस्त्रों के साथ योगाभ्यास की वह शैली, जो तन और मन दोनों को स्पर्श के रोमांच से जोड़ती है।

योग में स्पर्श का एहसासः आमतौर पर हम योगाभ्यास को श्वास, आसन तथा ध्यान से जोड़ते हैं। मगर योग का एक बहुत गहरा रिश्ता स्पर्शबोध से भी है। वूल योगा दरअसल, इसी भूले हुए आयाम को फिर से जीवित करता है। जब शरीर ऊनी वस्त्रों से लिपटा होता है, ऊनी शॉल, ऊनी मैट या ऊनी स्वेटर तब त्वचा केवल गर्म अनुभव नहीं करती, बल्कि एक अनुभव से भी गुजरती है। यह स्पर्श का अनुभव है, जो शरीर को गर्माइश से भर देता है। योगिक दृष्टि से देखा जाए, तो स्पर्श इंद्रिय यानी त्वचा, शरीर की ऊर्जा धाराओं से सीधे जुड़ी होती है। जब हम प्राकृतिक ऊन के रेशों से बने वस्त्र पहनकर ध्यान लगाते या योगाभ्यास करते हैं, तो वह न सिर्फ हमें ऊर्जा या गर्माइश देता है बल्कि प्राणिक ऊर्जा को भी स्थिर करता है।

शरीर-प्रकृति के बीच पुलः ऊन को हम सामान्यतः सिर्फ गर्म कपड़े के रूप में जानते हैं, लेकिन योगिक दृष्टिकोण से यह कपड़ा 'जीवित वस्त्र' है। हर रेशा एक सूक्ष्म ऊर्जा वाहक की तरह काम करता है। न बहुत ठंडा, न बहुत गर्म। दरअसल, ऊन शरीर और प्रकृति के बीच ऊर्जा का एक पुल बनाती है। यही वजह है कि आजकल कई योग प्रशिक्षक, युवाओं को सलाह देते हैं कि वे सर्दियों में ध्यान या प्राणायाम करते समय सिंथेटिक की जगह ऊन या खादी के वस्त्र पहनें। क्योंकि इन कपड़ों से हमारे शरीर की त्वचा सांस लेती है और ऊर्जा संतुलित रहती है। इससे ध्यान की अवधि स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

संवेदना को जगाएः आज के युवा फैशन को केवल दिखावे के रूप में नहीं लेते बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के रूप में भी देखते हैं। वूल योगा इसी मानसिकता का नया विस्तार है। जहां ऊनी शॉल, जूट मैट, हस्त निर्मित जैकेट और मिट्टी के रंग वाले कपड़े सिर्फ पहनावा नहीं बल्कि आपकी संवेदना की बयानगी करते हैं। दरअसल, वूल योगा इसी सौंदर्यशास्त्र का विस्तार है, जहां फैशन ध्यान में घुल-मिल जाता है और ध्यान खुद फैशन बन जाता है।

मिलती है भीतरी गर्मीः वूल योगा का सबसे अनोखा पहलू यह है कि यह युवाओं को स्पर्श के रोमांच से जोड़ता है, जो रोमांच किसी शारीरिक उत्तेजना का नहीं बल्कि जीवंतता के एहसास का होता है। जब किसी ठंडी सुबह में आप ऊनी आसन पर बैठकर ध्यान लगाते हैं तो कपड़े का हर रेशा त्वचा को एहसास दिलाता है कि शरीर अभी सचेत और ऊर्जावान है। इस अनुभव में एक गहरी मनोवैज्ञानिक वास्तविकता होती है, क्योंकि आधुनिक डिजिटल युग में हम शरीर से भी दूर होते जा रहे हैं और स्क्रीन ने हमारी स्पर्श संवेदना को कुंद कर दिया है। वूल योगा इसी कुंद हो चुकी स्पर्श संवेदना या टच सेंसेशन से हमें पुनः जोड़ता है। यह एक ऐसी अनुभूति है, जो हमें संवेदनशील होने का एहसास कराती है।

मिलता है नया अनुभवः वूल योगा, इस बात का प्रमाण है कि योग कोई जड़ या स्थिर गतिविधि नहीं है। इसे हम नई से नई जीवंत गतिविधियों से जोड़ सकते हैं। सर्दी के मौसम में युवाओं के लिए यह सिर्फ एक फिटनेस रूटीन नहीं है बल्कि शरीर और कपड़ों के बीच के संवेदनशील संवाद का अनुभव है। इसलिए हर वह युवा जो ऊनी शॉल ओढ़कर ध्यान लगता है, वास्तव में वह अंजाने में यही कर रहा होता है, जो अपने शरीर को महसूस करता है, वो योग के सबसे शुद्ध संस्करण तक पहुंचते हैं और यह वही जगह है, जहां साधक अपने शरीर, कपड़े और स्पर्श तीनों को योग की अनुभूति में बदल देता है। *

स्पेशल वर्ल्ड एड्स-डे 1 दिसंबर

डॉक्टर्स एडवाइस

एचआईवी संक्रमण और एड्स को लेकर अभी भी कई तरह के भ्रम समाज में मौजूद हैं। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि सावधानी बरतकर और जागरूकता से न केवल इससे बचा जा सकता है, बल्कि नियंत्रित भी किया जा सकता है। यहां एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं कि एड्स कैसे हो सकता है, इसके लक्षण क्या हैं, इससे कैसे बचाव हो सकता है इसका उपचार कैसे किया जा सकता है?

जागरूकता-सावधानी से संभव है एड्स की रोकथाम

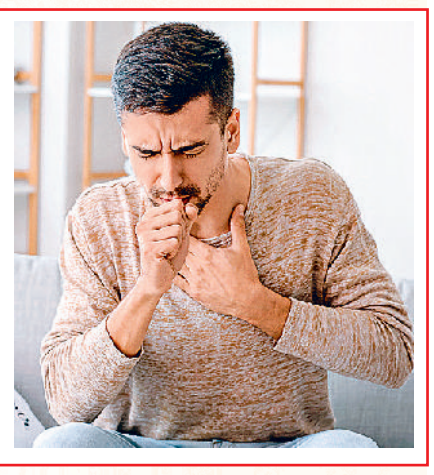

हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक वार्षिक अभियान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करने, इसके खिलाफ लड़ाई को तेज करने और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार की पहल का दिन है। इसका मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण, उसके लक्षण, रोकथाम, उपचार और मिथकों के बारे में सही जानकारी देना है, ताकि समाज में फैले डर, भेदभाव और गलत धारणाओं को खत्म किया जा सके।

एड्स-एचआईवी में अंतर

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय** बताते हैं, 'एड्स और एचआईवी को अकसर एक ही बीमारी माना जाता है, लेकिन सच यह है कि दोनों बिल्कुल अलग अवस्थाएं हैं। एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम पर हमला करता है, जबकि एड्स इस संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण होता है, जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहद कमजोर हो जाती है और सामान्य संक्रमण भी जानलेवा बन सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अगर समय पर एचआईवी की पहचान हो जाए और मरीज तुरंत एआरटी थेरेपी शुरू कर दे, तो वह लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है और एड्स तक पहुंचने से भी बच सकता है। आधुनिक दवाइयां वायरस को पूरी तरह खत्म तो नहीं करतीं, लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम कर देती हैं कि वह शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता और दूसरे लोगों तक भी लगभग नहीं फैलता।'

भारत में एचआईवी की स्थिति

अपने देश में एचआईवी की कंडीशन के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-इंटरनल मेडिसिन एंड इंफेक्शन डिजीज, **डॉ. अरविंद अग्रवाल** बताते हैं, 'भारत में एचआईवी की स्थिति के बारे में बात करें तो यह अभी भी एक अहम स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मुताबिक भारत में लगभग 23 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं और हर साल कई नए मामले सामने आते हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में संक्रमण कम हुआ है। सरकार और कई संस्थाओं के प्रयासों से लोगों में जागरूकता बढ़ी है और एआरटी दवाएं भी आसानी से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे मरीजों को काफी मदद मिलती है। इसके बावजूद गांवों और छोटे शहरों में जानकारी की कमी, समाज का डर बना हुआ है, इसे दूर किए जाने की जरूरत है।'

एचआईवी कैसे फैलता है

एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है, इस बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. रोहित शर्मा** क्लीयर करते हैं, 'एचआईवी कैसे फैलता है, इसे लेकर लोगों में आज भी कई गलतफहमियां हैं, इसलिए सही जानकारी बेहद जरूरी है। एचआईवी संक्रमण सिर्फ चार वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तरीकों से ही फैलता है, असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, संक्रमित सुई या ब्लेड का उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने से और मां से बच्चे में गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान। इन चार तरीकों के अलावा किसी भी सामान्य गतिविधि से एचआईवी नहीं फैलता। साथ बैठने, साथ खाने, हाथ मिलाने, कपड़े या टूथब्रश जैसे सामान साझा करने, या मच्छर के काटने से यह संक्रमण नहीं होता। फिर भी इन मिथकों के कारण लोग एचआईवी मरीजों से दूरी बनाते हैं, जिससे उन्हें सामाजिक भेदभाव और मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। सही जानकारी ही इस कलंक को खत्म कर सकती है।'

एचआईवी के शुरुआती लक्षण

एचआईवी संक्रमण की शुरुआत में कई बार कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे लोग इसे सामान्य थकान या मौसम बदलने की बीमारी समझ लेते हैं। कुछ मामलों में शुरुआती हफ्तों में फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं-जैसे हल्का बुखार, लगातार थकान, गले में खराश, शरीर पर हल्के दाने या बिना कारण वजन कम होना। चूंकि ये लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, लोग अकसर एचआईवी टेस्ट कराने से बचते हैं और संक्रमण बढ़ता जाता है। इसी वजह से डॉक्टर सलाह देते हैं कि जोखिम की स्थिति में समय पर एचआईवी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, ताकि बीमारी को शुरुआत में ही नियंत्रित किया जा सके।

सावधानी से संभव है रोकथाम

विश्व एड्स दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। एचआईवी से बचने के लिए कुछ सरल लेकिन बेहद प्रभावी उपाय अपनाने चाहिए, जैसे हमेशा सुरक्षित यौन संबंध बनाना, एक ही साथी के साथ संबंध रखना, किसी भी सुई या ब्लेड का दोबारा उपयोग न करना, केवल जांच किए हुए और प्रमाणित खून ही चढ़वाना और गर्भवती महिलाओं का समय पर एचआईवी टेस्ट कराना। इसके साथ ही जागरूक रहना और दूसरों को भी सही जानकारी देना बेहद जरूरी है। ये कदम न केवल व्यक्ति को सुरक्षित रखते हैं बल्कि समाज में संक्रमण की रफ्तार भी काफी हद तक कम कर देते हैं।

सही नहीं भेदभाव करना

हालांकि इलाज और जागरूकता बढ़ी है, फिर भी एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज में भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें नौकरी देने में हिचकिचाहट, घर या स्कूल में दूरी, रिश्तों में समस्याएं और सामाजिक तिरस्कार जैसी चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, जो बीमारी से ज्यादा मानसिक रूप से प्रभावित करती हैं। विश्व एड्स दिवस इसी भेदभाव को खत्म करने की अपील करता है। समाज का सम्मान और सहयोग संक्रमित व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्कूलों में यौन शिक्षा देना, युवाओं में जागरूकता फैलाना और संक्रमित लोगों का सम्मानपूर्वक सहयोग करना- ये सभी कदम संक्रमण को कम करने में भूमिका निभाते हैं। यदि समाज एकजुट होकर काम करे तो एचआईवी को रोकना संभव है।*

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

एआरटी थेरेपी है काफी कारगर

एक समय एचआईवी को जानलेवा बीमारी माना जाता था, लेकिन आधुनिक चिकित्सा ने इसकी तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। आज उपलब्ध एआरटी मरीज को लंबा, सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है। इससे शरीर में वायरस की मात्रा काफी कम हो जाती है, जिससे संक्रमण दूसरों तक फैलना लगभग रुक जाता है और मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। भारत सरकार भी कई केंद्रों पर एआरटी की दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराती हैं, जिससे लाखों लोग नियमित इलाज ले पा रहे हैं और अच्छा जीवन जी रहे हैं।

हर्बल जोन

रेखा देशराज

सर्दियों में गर्माहट का एहसास कराए लेमन ग्रास

सर्दियों के लिए लेमन ग्रास, बहुत खास हर्ब मानी जाती है। इसलिए इसे सर्दियों की 'वार्मिंग हर्ब' कहा जाता है। क्योंकि यह केवल स्वाद या सुगंध का स्रोत नहीं है बल्कि यह प्राकृतिक रूप से गर्माहट देने वाली जड़ी-बूटी है, इसलिए ठंड के प्रारंभिक दिनों में लेमन ग्रास के सेवन से कई फायदे होते हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमताः लेमन ग्रास में कुदरती रूप से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का गुण होता है, इसलिए सर्दियों की शुरुआत में जब शरीर खांसी, जुकाम और बुखार के संक्रमण से पीड़ित होता है, तब इसका इस्तेमाल लाभकारी होता है। लेमन ग्रास में सिंट्रल और जेरोनियोल जैसे यौगिक मौजूद होते हैं, इसलिए ये बैक्टीरिया, वायरस और फंगस से लड़ने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं। जब हम सर्दियों में लेमन ग्रास का चाय के रूप में या एरोमा थेरेपी के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बहुत फायदे मिलते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और मूड शांत होता है। शुरुआती सर्दियों में लेमन ग्रास का बेहतर उपयोग करने के लिए एक कप पानी में एक इंच लेमन ग्रास का टुकड़ा या फिर इसके सूखे पत्ते डालकर पांच-सात मिनट तक उबालना चाहिए। अगर इस पानी में अदरक, तुलसी और शहद भी मिला दिया जाए, तो फायदे कई गुना ज्यादा बढ़ जाते हैं।

कई रोगों से बचाएः लेमन ग्रास की चाय पीने से सर्दी, जुकाम और गले की खराश में राहत मिलती है। पेट की गैस, अपच और भारीपन से भी राहत मिलती है। लेमन ग्रास की भाप या इसकी चाय का नियमित इस्तेमाल करने से हमारे रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूती मिलती है। क्योंकि इस मौसम में यह श्वसन तंत्र को खोलती है और हमारे गले की खराश को कम करती है। लेमन ग्रास में एक रासायनिक उत्प्रेरक शक्ति होती है, जिसके चलते यह बलगम को पतला करके उसे शरीर से निकालने में विशेष रूप से मदद करती है। इसलिए कुछ लोग सर्दियों में लेमन ग्रास को कफ फ्रेंडली हर्ब के रूप में भी जानते हैं, क्योंकि लेमन ग्रास का मूल स्वभाव उष्ण यानी गर्म होता है। मतलब यह हमारे रक्त संचार को बढ़ाती है, जो कि ठंड के मौसम में धीमा हो जाता है। लेमन ग्रास की चाय पीने से हमारे शरीर की सुस्ती और ठिठुरन कम होती है। क्योंकि जब हम लेमन ग्रास की चाय पीते हैं तो शरीर में इसके प्रभाव से एनर्जी पैदा होती है और मेटाबॉलिज्म की गति बढ़ जाती है। लेमन ग्रास के कुछ टुकड़ों को दालचीनी और तुलसी के साथ सूप बनाकर पीया जाए, तो बड़ा फायदा मिलता है क्योंकि यह प्राकृतिक डिटॉक्स की तरह काम करता है।

लेमन ग्रास बाथः इस मौसम में गुनगुने पानी में लेमन ग्रास की पत्तियां या तेल डालकर 15 से 20 मिनट तक पैरों को उस गुनगुने पानी में डुबोकर रखें और फिर गुनगुने पानी से स्नान कर लिया जाए, तो थकान की समस्या पूरी तरह से दूर हो जाती है। *

अवेयरनेस

अपराजिता

किसी की डेथ के बाद अगर उसके कुछ अंगों का दान कर दिया जाए तो दूसरे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। लेकिन अवेयरनेस के अभाव में ऐसा नहीं हो पाता है। 27 नवंबर, राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर, इस बारे में जानिए।

अंग दान से मिल सकता है कई लोगों को जीवनदान

आज का दौर, चिकित्सकीय दृष्टि से क्रांति का दौर कहा जा सकता है। पिछले एक दशक में बायो क्षेत्र में जितनी तकनीकी प्रगति हुई है, उतनी शायद ही किसी दूसरे दौर में हुई हो। बावजूद इसके जीवन रक्षा के लिए आज भी तकनीक से ज्यादा जरूरी अंग दान ही है, क्योंकि अंग प्रत्यारोपण की तकनीक तो बहुत तेजी से विकसित हुई है, लेकिन अभी भी कृत्रिम अंगों की वह विश्वसनीयता नहीं हासिल हो सकी, जो आज भी मानवीय अंगों को है। सवाल है, इस बीच में लोगों का जीवन बचाने और बेहतर बनाने का उपाय क्या हो सकता है? तो इस सवाल का सबसे आसान जवाब यही है अंग दान।

अंगदान की बढ़ती मांगः अकेले भारत में ही हर साल 63 हजार लोगों को गुर्दा प्रत्यारोपण यानी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। लेकिन हर साल अंगदान के रूप में हासिल होने वाली किडनियों की संख्या 3000 से भी कम होती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि अंग प्रत्यारोपण की जरूरत जिस रफ्तार से बढ़ रही है। इसी तरह हर साल भारत में 22,000 लोगों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है, मगर मुश्किल से 800 से 900 लोगों को ही अंगदान के जरिए यह सुविधा प्राप्त हो पाती है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों के बीच अंगदान की दर 0.3 से 0.8 के आस-पास है।

अवेयरनेस की है कमीः सामाजिक जागरूकता और नीति प्रक्रिया की स्थिति कुछ ऐसी है कि सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देशों में अंगदान की गति बहुत धीमी है। इसलिए अंग दान जैसे दिवसों का पहले के मुकाबले आज कहीं ज्यादा महत्व है, क्योंकि इसी बहाने लोगों को अंग दान को लेकर जागरूक किया जा सकता है। इसलिए अंग दान जैसे दिवस भले इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बारे में प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि दुनिया ज्यादा बेहतर और ज्यादा सुखी बन सके।

पहले से बढ़ी है जागरूकताः आज विश्व स्वास्थ्य संगठन और चिकित्सीय क्षेत्र से जुड़े तमाम संगठन और संस्थाएं अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम करती हैं, जिसके चलते अब धीरे-धीरे लोगों में यह भ्रम और झिझक खत्म हो रही है और अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बढ़ी है। लेकिन आज भी मांग और उपलब्धि के बीच में बहुत बड़ा अंतर है।

सिर्फ गुर्दा प्रत्यारोपण हेतु ही दुनिया में कई लाख लोग हर समय प्रतीक्षारत रहते हैं और गुर्दा दान करने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है। हालांकि पिछले कुछ सालों में पश्चिमी विकसित देशों में अंगदान की प्रक्रिया थोड़ी बेहतर हुई है और आज औसतन प्रति लाख 20 से 30 लोग अंगदान के लिए तैयार हो रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा प्रति लाख 30 लोगों का आंकड़ा स्पेन का है। लेकिन आज भी अंगदान देने वालों और चाहने वालों की संख्या में बहुत फर्क है। इसलिए इस दिन की खास महत्ता है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें समझाया जाए कि अंगदान ही महादान है। इसलिए अंग दान दिवस की महत्ता आज पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। *

बचा सकते हैं कई लोगों की जान

आज भी शरीर का कोई भी अंग पूरी तरह से कृत्रिम नहीं बनाया जा सका, जो सौ फीसदी कारगर हो। आज भी 99.99 फीसदी अंग प्रत्यारोपण जीवित या मृत लोगों के द्वारा दिए गए अंगों के दान पर ही निर्भर है। ऐसे में कोई भी तकनीक चाहे कितनी ही उन्नत हो जाए, किसी काम की नहीं होगी, जब प्रत्यारोपण के लिए अंग ही न मौजूद हों। यही कारण है कि अंग प्रत्यारोपण दिवस पर पूरी दुनिया में अनेक मेडिकल संस्थाएं और एजेंसियां अंग दान संबंधी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करती हैं। गौरतलब है कि अंग दान के प्रति उदासीनता के कारण हर साल 25 लाख से ज्यादा लोगों की या तो दुर्घटना के चलते या असाध्य बीमारियों के तहत मौत हो जाती है और अगर पूरी दुनिया में लोग अंग दान को लेकर सहज हो जाएं, तो हर साल इतने लोगों को असमय मृत्यु से बचाया जा सकता है।

फिटनेस फंडा

नितिन बाबू

फिटनेस के लिए डेली करना होता है एफर्ट

चिराग की भूमिका निभाना मेरे लिए रोमांचक और भावनात्मक दोनों है। उसका किरदार बहुत गहराई लिए हुए है। ऐसे किरदार को निभाने के लिए मेंटली फिट होना बहुत हेल्पफुल होता है। वैसे भी मैं हमेशा से अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहा हूं और इसके लिए डेली एफर्ट करता रहता हूं।

सोनी सब चैनल के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में चिराग का किरदार नितिन बाबू निभा रहे हैं। वह अच्छी लाइफ के लिए फिजिकल और मेंटल फिटनेस को बहुत महत्व देते हैं। इसके लिए वे क्या कुछ करते हैं, अपना फिटनेस रूटीन नितिन शेयर कर रहे हैं, अपनी जुबानी।

डाइट प्लानः मेरा डाइट प्लान ज्यादातर सिंपल और संतुलित रहता है। सुबह हल्का और हेल्दी नाश्ता करता हूं। इसमें ओट्स, अंडे या फिर फल लेता हूं। दोपहर में घर का बना खाना पसंद है, जिसमें दाल, सब्जी, सलाद और ब्राउन राइस या रोटी होती है। रात का खाना मैं हल्का रखता हूं। दिन भर खूब पानी पीने की कोशिश करता हूं और जंक फूड से जितना हो सके दूर रहता हूं।

वर्कआउट रूटीनः मेरा वर्कआउट रूटीन, शूट शेड्यूल पर निर्भर करता है। लेकिन मैं सप्ताह में कम से कम तीन दिन जरूर एक्सरसाइज करता हूं। इसमें कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और किसी दिन योग या फंक्शनल ट्रेनिंग शामिल होती है। शूट पर भी अगर समय मिलता है तो थोड़ी देर वॉक कर लेता हूं। वर्कआउट मिस नहीं करता हूं।

मैनेज करता हूं टाइमः सच कहूं तो वर्कआउट के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन यह फिट रहने के लिए बहुत जरूरी भी है। इसलिए मैं अपने दिन की प्लानिंग पहले से कर लेता हूं। अगर सुबह शूट हो, तो वर्कआउट शाम को कर लेता हूं। अगर दोपहर या शाम का शूट है तो सुबह वर्कआउट कर लेता हूं। और कभी-कभी सेट पर ही थोड़ा समय निकालकर कोई छोटी-मोटी फिजिकल एक्टिविटी कर लेता हूं।

ऐसे रहता हूं मेंटली फिटः मेरे लिए शारीरिक के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मैं रोज कुछ मिनट मेडिटेशन या डीप ब्रीदिंग करता हूं। किताबें पढ़ना मेरी हैबिट में शामिल है। परिवार और दोस्तों से बातचीत करना मुझे संतुलित रखता है। इसके आनावा मैं मानता हूं अपने मन की सुनना और खुद को ज्यादा भार या तनाव न देना बहुत मायने रखता है।

फिटनेस आइडलः मुझे हमेशा से ऋतिक रोशन और मिलिंद सोमन ने प्रेरित किया है। दोनों सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत हैं। उनकी लाइफस्टाइल और अनुशासन मुझे यह सिखाते हैं कि फिटनेस एक लंबी यात्रा है। यह निरंतर चलती है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं होता है।

रीडर्स को मैसेजः मेरा सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है- कंसिस्टेंसी इज द की। यानी फिटनेस के लिए आप चाहे कितना भी छोटा कदम उठाएं, लेकिन उसे रोज जारी रखें। फिटनेस सिर्फ जिम जाने से नहीं आती, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से आती है। इसमें हेल्दी डाइट, अच्छी नींद और सकारात्मक सोच शामिल होती है। इसे लगातार फॉलो करना होता है, डेली एफर्ट करना होता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

स्लोगन-पोस्टर से संविधान का महत्व दर्शाया

छात्रा दीपिका ने सभी को संवैधानिक निष्ठा व आस्था की शपथ दिलवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। छात्राओं को संविधान का महत्व समझाती प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा। फोटो : हरिभूमि

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में बुधवार को संविधान दिवस मनाया गया। छात्राओं ने पोस्टर व स्लोगन बनाकर राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि, पर्यावरणीय विकास व संतुलन, प्रशासनिक कुशलता, आर्थिक विकास व नियोजन व संवैधानिक अर्थशास्त्र के पहलुओं को उजागर किया। छात्रा दीपिका ने सभी को संवैधानिक निष्ठा व आस्था की शपथ दिलवाई।

प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि बहुविविधता वाले देश भारत में सभी नागरिकों की उम्मीदों, दृष्टिकोणों, कार्यक्षमताओं, आर्थिक मूल्यों, विकास योजनाओं, सामाजिक कल्याण को समृद्ध करने में हमारा संविधान परिलक्षित होता है। प्राध्यापिका अंजू चौधरी ने कहा कि संविधान दिवस न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व को बढ़ावा देकर लोकतंत्र को मजबूती देता है। डॉ. शालू शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान अपनी नीतियों और कार्यों द्वारा आर्थिक न्याय और जनकल्याण को समर्पित है। आरती, क्रांति, निधि, सोनम, स्नेहा, कीर्ति, राधा, छवि, खुशी, दिव्या, दिशा, सोनम, ज्योति, अन्नु, मानसी, दिपांशी, सोनिया ने स्लोगन व पोस्टर बनाकर संविधान के प्रति अपने भाव प्रकट किए। डॉ. नेहा नैन समेत स्टाफ ने सहयोगी भूमिका निभाई।

पुलिस कर्मियों ने ली संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा की शपथ

बहादुरगढ़। कर्मचारियों को शपथ दिलाते एसीपी प्रदीप खत्री। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस कार्यालयों, थानों व चौकियों में विशेष कार्यक्रम हुए। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन करने के बाद पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों को संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की शपथ दिलाई गई। एसीपी प्रदीप खत्री ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था संविधान द्वारा निर्धारित कानूनों पर आधारित है, इसलिए हर पुलिसकर्मी का कर्तव्य है कि वह इसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखे। साथ ही आम नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। एसीपी खत्री ने पुलिस और जनता के बीच विश्वासपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध मजबूत करने पर जोर दिया।

विद्यार्थियों को मौलिक कर्त्तव्यों का पालन करने की शपथ दिलाई

झज्जर। मौलिक कर्त्तव्यों की पालना की शपथ लेते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बुधवार को सविंधान को अंगीकार करने के 76 वर्ष पूरे होने पर विद्यार्थियों को मौलिक कर्त्तव्यों का सही पालन करने संबंधी शपथ ग्रहण दिलाई गई। एनएसएस यूनिट के प्रोग्राम ऑफिसर मुकेश शर्मा व लिगल लिटरेसी इंचार्ज मंजू शर्मा ने स्कूल प्रबंधक केएम डागर व प्राचार्या निधि कादियान के साथ विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। इस दौरान स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया व नीलम दहिया ने विद्यार्थियों से कहा कि हमें सविंधान द्वारा दिए मौलिक कर्त्तव्यों का पालन करना चाहिए। इस मौके पर रविंद्र, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, अमित लोहचब, विकास सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

विविधता में एकता को सशक्त बनाता है हमारा संविधान : सीटीएम

झज्जर। संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए अधिकारी व कर्मचारी।

झज्जर। संविधान दिवस पर बुधवार को जिले में सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता सीईओ जिप मनीष फौगाट ने की व सीटीएम नमिता कुमारी भी मौजूद रही। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने देशभक्ति की भावना के साथ संविधान की मूल भावना और उसकी प्रासंगिकता का महत्व समझते हुए सामूहिक तौर पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। सीईओ मनीष फौगाट ने कहा कि संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है और इसका सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है। सीटीएम नमिता कुमारी ने कहा कि विविधताओं से भरे देश में भारतीय संविधान ने सभी को बराबरी से विकास करने के अवसर प्रदान किए हैं।

वकीलों ने किया अंबेडकर को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

संविधान दिवस पर एडवोकेट विक्रम छिल्लर समेत अन्य वकीलों ने बाबा साहेब अंबेडकर को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। विक्रम छिल्लर ने कहा कि संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। भारतीय संविधान हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों के निर्वहन की सीख भी देता है। हम सभी को मिलकर राष्ट्रनिर्माण में अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। भारत का संविधान सरकार के विधायी, कार्यपालिका और न्यायिक अंगों को एक सूत्र में बांधता है। वकील अशोक अहलावत, कृष्ण मेहरा, सुमित देशवाल, मुकेश तुर, मनोज कुमार, नवीन, मनोज कलशन आदि ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

बहादुरगढ़। बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते अधिवक्ता। फोटो : हरिभूमि

जसौरखेड़ी कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी कॉलेज में शपथ लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। जसोरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम हुआ। इस दौरान छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए संवैधानिक मूल्यों का पालन करने की शपथ ली। सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रियंका अग्रवाल, डॉ. पूनम, अनिल कुमार तथा डॉ. सुनैना आदि ने बताया कि संविधान दिवस भारतीय लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों का स्मरण दिलाने वाला महत्वपूर्ण दिन है।

संगोष्ठी में संविधान का महत्व समझाया

बहादुरगढ़। शहर के एक कोचिंग सेंटर में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जगबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र दहिया ने संविधान दिवस का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे मौलिक अधिकारों की रक्षा के अलावा नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता तथा न्याय प्रदान करता है। संविधान भारत के लोकतांत्रिक ढांचे का आधार है। संविधान हमारे अधिकारों को सुरक्षित करता है। छात्र यश और खुशी ने भी संविधान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विजेंद्र सिंह, प्रीति, अनीता व विवेक तिवारी आदि उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं के प्रचार में जुटी भजन मंडलियां

झज्जर। ग्रामीण क्षेत्र में योजनाओं का प्रचार करते हुए भजन मंडली के सदस्य।

झज्जर। जिला सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन मंडली जिले के गांव-गांव में लोकधुनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं और नीतियों का प्रचार-प्रसार कर रही है। डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि विभागीय भजन मंडली के कलाकार स्थानीय लोकगीतों, संस्कृति और भजन शैली को जोड़कर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण नागरिकों तक पहुंचा रहे हैं। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और लोक संगीत की संगत में प्रस्तुत किए जा रहे गीत, ग्रामीण समुदाय को न केवल आकर्षित कर रहे हैं बल्कि योजनाओं को समझने में भी आसान बना रहे हैं।

ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट में एक छात्र का चयन

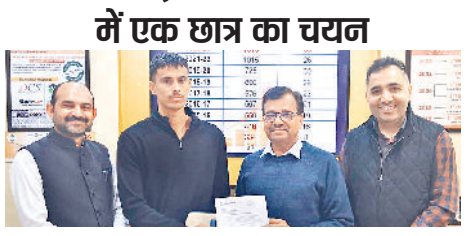

झज्जर। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एडं मैनेजमेंट कबलाना में लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड कंपनी द्वारा ऑनलाइन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। कंपनी प्रतिधियों ने लिखित परीक्षा के आधार पर फायर टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग 7वें सेमेस्टर के छात्र उमेश का ग्रेजुएट इंजीनियरिंग ट्रेनी के पद पर चयन किया है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. अमन अग्रवाल ने फायर टेक्नोलॉजी एंड सेफ्टी विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड हितांशु सलूजा के प्रयासों की सराहना करते हुए चयनित छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोल मॉडल संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

झज्जर। प्रतिभा मंथन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कर्नल रोमेल राज्याण। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। प्रतिभा मंथन कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए में रोल मॉडल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में कर्नल रोमेल राज्याण ने विद्यार्थियों को रक्षा सेवाओं, एनडीए व सीडीएस परीक्षाओं, सेना में करियर की संभावनाओं, चुनौतियों और परिवार की देशसेवा की विरासत बारे विस्तार से अवगत कराया। इस दौरान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित एमईटी सिटी के सीएसआर लीड लोकेश कापसेने अपने 23 वर्षों के सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सीएसआर फील्ड के अनुभव सांझा किए। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, इंग्लिश सुधारने और रोजाना समाचार पत्र पढ़ने जैसी सकारात्मक आदतें अपनाने की प्रेरणा दी। इस मौके पर सुरभि सिंह, श्वेता डोगरे, सतीश कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

झज्जर। महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ होनहार खिलाड़ी प्रतिभा।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भाग लेगी प्रतिभा

झज्जर। राजकीय महाविद्यायल मातनहेल की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा प्रतिभा ने एमडीयू रोहतक में आयोजित इंटर कॉलेज एथलीट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। प्राचार्य डॉक्टर सतवीर सिंह ने बताया कि प्रतिभा ने लांग जंप व ट्रिपल जंप में सराहनीय प्रदर्शन किया। अब वह आगामी वर्ष 12 से 14 जनवरी तक बैंगलूर में होने वाली ऑल इंडिया चैंपियनशिप में अपनी भाग लेगी। इस उपलब्धि पर डॉक्टर सुमन भट्टी, कुमारी दीक्षा, डॉक्टर नवीन कुमार पूनिया, राजवीर सिंह व कोच राजू लडायन ने प्रतिभा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

दिवंगत पुलिस कर्मी दीपक की याद में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

झज्जर। दिवंगत आत्मा की शांति के मौन रखते हुए पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। स्थानीय पुलिस लाइन परिसर में बुधवार को दिवंगत मुख्य सिपाही दीपक कुमार की स्मृति में हार्ट हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने पुलिस कर्मचारियों के रक्तचाप, शुगर लेवल, बीएमआई, हृदय संबंधी परीक्षण सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान अपने संबोधन में पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि पुलिस सेवा अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, इसलिए सबके लिए आवश्यक है कि वे अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर ही पुलिसकर्मी की सबसे बड़ी ताकत है, और समय-समय पर जांच कराकर संभावित बीमारियों से बचा जा सकता है।

हिंदी प्रश्नोत्तरी में नीर व समीर सदन के विद्यार्थी विजयी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित विजेता प्रतिभागी।

एमआर स्कूल हसनपुर में बुधवार को चौथी से सातवीं तथा आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के बीच अंतर सदनीय हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ निदेशका संगीता कोडान ने किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और त्वरित बुद्धि का प्रदर्शन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतियोगिता परिणामों में जूनियर वर्ग से समीर सदन के प्रतिभागी दिशिका, निशु, जिहान, अमायरा और विनीता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में नीर सदन के प्रतिभागी तन्नु, जयंत, लक्षिता, यशमिन और शिवम् विजयी रहे। प्राचार्या नेहा शर्मा ने सभी विजेताओं एवं सदन प्रमुखों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में न केवल बौद्धिक विकास होता है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इस मौके पर जेएस खरब, शारदा, पूनम, सुभाषचंद्र सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

रविंद्र पाटिल

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय, के कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल बहादुरगढ़, बेरी और बादली में संबंधित लघु सचिवालयों में एसडीएम नागरिकों की शिकायतें और मांगें सुनेंगे। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं के निवारण के लिए अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचें और आवश्यक दस्तावेज साथ लाएं।

ऑल इंडिया सीबीएसई कुश्ती चैंपियनशिप में देवांश जाखड़ ने जीता गोल्ड

झज्जर। ऑल इंडिया सीबीएसई रेसलिंग चैंपियनशिप में एचडी साल्हावास के खिलाड़ी देवांश जाखड़ ने गोल्ड मेडल जीत कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोच हितेश गर्ग ने बताया कि 23 नवंबर को पानीपत में आयोजित इस चैंपियनशिप में देवांश जाखड़ ने 57 किलोग्राम भार वर्ग की अंडर-14 आयु वर्ग में खेलते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। अब वह स्कूली नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में अपना दम दिखाएगा। इस शानदार उपलब्धि पर एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने कहा कि उनके संस्थान के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेलों और सहगामी क्रियाओं में भी नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व प्राचार्य सतबीर सिंह ने देवांश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

निरीक्षक सतीश कुमार ने अपनी टीम के साथ नयागांव में ग्रामीणों से संवाद किया

टीम ने नशे के दुष्परिणामों के बारे में अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को जागरूक करता पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस की टीम गांवों में लगातार डोर-टू-डोर नशे के प्रति जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में निरीक्षक सतीश कुमार ने अपनी टीम के साथ नयागांव में ग्रामीणों से संवाद किया। टीम ने लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में अवगत करवाया। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, पढ़ाई-खेल पर ध्यान देने और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। टीम ने कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 या निकटतम थाना में दें। नशा संबंधी गोपनीय जानकारी मानस हेल्पलाइन 1933 पर साझा की जा सकती है। टीम ने साइबर अपराधों से सावधान रहने, ओटीपी-पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी को भी न देने और यातायात नियमों का पालन करने की सलाह भी दी।

पुलिस टीम ने नशा रहित जीवन जीने के अनेक लाभ बताए

झज्जर। क्षेत्र के गांव मांगावास में पुलिस की एक टीम द्वारा बुधवार को डोर टू डोर अभियान चलाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया। उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि नशे की लत किस प्रकार व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवारिक जीवन और सामाजिक सम्मान को प्रभावित करती है। समझाया कि नशा न केवल शारीरिक बीमारियों को जन्म देता है, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और परिवारिक कलह का भी प्रमुख कारण बनता है। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने नशा रहित जीवन जीने के अनेक लाभ भी बताए जैसे बेहतर स्वास्थ्य, खुशहाल परिवार, आर्थिक बचत और समाज में सम्मानजनक जीवन। इस पहल का उद्देश्य गांव में स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक वातावरण बनाना है, ताकि युवाओं और परिवारों को नशे के दुष्परिणामों से बचाया जा सके।

गीता महोत्सव में प्रसिद्ध लोक कलाकार बिखेरेंगे रंग

झज्जर। डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि गीता महोत्सव में इस बार प्रसिद्ध लोक कलाकारों की विशेष भागीदारी रहेगी। महोत्सव को सांस्कृतिक रूप से अधिक सशक्त बनाने के लिए इस बार लोक कलाकारों को विशेष मंच दिया जा रहा है। प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकार जोगिंद्र कुंडू, विक्की काजला, दीपक , रामबीर आर्यन, दामिनी सहित कलाकार शामिल होंगे। ये सभी कलाकार अपनी लोकधुनों, भजन, सांगीतिक प्रस्तुतियों और पारंपरिक शैली के माध्यम से गीता के अध्यात्मिक संदेश को सांस्कृतिक स्वरूप में प्रस्तुत करेंगे।

सूचना

मैं, भरत सिंह पुत्र श्री खुशाली राम निवासी गांव बालौर, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र गौत्तम मेरे कहने सुनने से बाहर है और मैं उससे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। गौत्तम अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का उससे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

सूचना

मैं, देवकला देवी (Devkala Devi) पत्नी श्री राम अवतार शर्मा निवासी मकान नंबर-526, उत्तम कॉलोनी, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा घोषणा करती हूं कि मेरा पुराना नाम शिवकला देवी (Shivkala Devi) है। मैंने अपना नाम बदलकर देवकला देवी (Devkala Devi) कर लिया है। शिवकला देवी (Devkala Devi) और देवकला देवी (Devkala Devi) एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। मुझे भविष्य में मेरे नए नाम देवकला देवी (Devkala Devi) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

खबर संक्षेप

झज्जर। श्याम सिंह राणा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री।

जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक आज

झज्जर। जिले में नागरिकों की शिकायतों के शीघ्र एवं स्थायी निपटान के उद्देश्य से गठित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक वीरवार को लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक का आरंभ दोपहर दो बजे होगा। जिसकी अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। सीटीएम नमिता कुमारी ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें ताकि प्रत्येक प्रकरण पर आवश्यक विचार-विमर्श कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

फाइनेंसर पर रुपये मांगने व धमकी देने का केस दर्ज

बहादुरगढ़। झज्जर रोड स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाली महिला ने एक फाइनेंसर पर रुपये मांगने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामला रुपयों के लेनदेन से जुड़ा है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात गीता के साथ हुई है। गीता का कहना है कि वह यहां टाटा सोसाइटी में परिवार सहित रहती है। करीब तीन साल पहले उसने डीघल के निवासी फाइनेंसर नवीन से पांच लाख रुपये पांच रुपये सैकड़ा ब्याज की दर पर लिए थे। इसके बाद वह उसे कुल 9 लाख रुपये लौटा चुकी है। इसके बावजूद फाइनेंसर पांच लाख रुपये और मांग रहा है। वह बार बार आकर धमकियां व गालियां देता है। कहता है कि या तो मूल के रुपये दे दे, वरना तुझे व तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। उधर, पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

युवक ने पन्द्रह पैकेट सिगरेट, छह से सात लाइटर और माचिस लिया

सामान लेकर बगैर पेमेंट दिए, फिर भागे युवक, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, एक हजार सात सौ रुपये की लगी चपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के डाईवर्सन रोड स्थित एक किरयाणा स्टोर से सामान लेकर बगैर पेमेंट किए युवकों द्वारा मौके से रफूचक्कर होने के दो अन्य मामले और सामने आए हैं। इसी तर्ज पर आरोपी युवकों द्वारा मंगलवार की शाम शहर के सीताराम गेट निवासी एक अन्य दुकानदार को अपना शिकार बनाया। यहां मंजीत किरयाणा स्टोर के संचालक विनोद ने बताया कि उसके पास भी दो युवक मोटरसाइकिल पर आए। इनमें से एक युवक ने दुकान में आकर उससे पन्द्रह पैकेट सिगरेट, छह से सात लाइटर और माचिस आदि सामान लिया। विनोद के अनुसार जब उसने सामान को पॉलीथिन में डाल युवक को थमाया तो वह क्यूआरकोड स्कैनर के सामने मोबाइल लगाकर बगैर पेमेंट किए तेजी से दुकान से बाहर निकल गया और अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर मौके से भाग निकला। ऐसे में उसे करीब एक हजार सात सौ रुपये की चपत लगी। बता दें इससे पहले शहर के डाईवर्सन रोड स्थित दलीप की दुकान पर मोटरसाइकिल सवार तीन युवक सामान खरीदने पहुंचे थे। सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे हुई इस घटना में उनमें से एक युवक ने उससे करीब सात-आठ अलग-अलग प्रकार की सिगरेट के पैकेट, चिप्स, कुरकुरे, नमकीन, ठंडा आदि सहित 3880 रुपये का सामान लिया था। इसके बाद युवक क्यूआर कोड स्केनर पर पेमेंट करने का ढोंग करने के बाद दुकान से बाहर निकला और अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर बैठ कर मौके से भाग गया था।

झज्जर। मंजीत किरयाणा स्टोर पर सामान लेते हुए आरोपी युवक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। चिंटू की दुकान पर सामान लेते हुए आरोपी युवक। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को भी हुई थी इसी प्रकार की वारदात

शहर के सिलानी गेट पर राव तुलाराम चौक पर स्थित कान्हा जूस कार्नर के संचालक चिंटू ने जब समाचार पत्र में शातिर युवकों से संबंधित खबर पढ़ी तो उसने पीड़ित दुकानदार दलीप से संपर्क किया। इसके बाद चिंटू ने बताया कि इसी तर्ज पर उसके साथ भी शनिवार की शाम मोटरसाइकिल सवार तीन युवक बगैर पेमेंट किए भाग निकले थे। चिंटू के अनुसार युवक ने उससे दो हजार रुपये का सामान लिया था जिसमें सिगरेट के तीन-चार बड़े पैकेट, चार बड़ी चॉकलेट, तीन एनर्जी ड्रिंक, कोल्ड ड्रिंक, चिप्स, कुरकुरे व ग्लास आदि सामान शामिल था। पीड़ित दुकानदारों के अनुसार इस मामले में खास बात यह है कि तीनों स्थानों पर वही युवक घटना को अंजाम देता दिखाई देता है। ऐसे में उन्होंने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि आरोपियों को शीघ्र काबू किया जाए ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लग सके।

प्रतीकात्मक प्रतियां भी जलाईं

श्रम संहिताओं के विरोध में विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने किया प्रदर्शन

झज्जर। लघु सचिवालय के गेट पर प्रतिकात्मक लेबर कोड संबंधी प्रतियां जलाते हुए संगठन सदस्य एवं पदाधिकारी व नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए संगठन सदस्य एवं पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर मजदूर हितों को कमजोर किया गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ये नए लेबर कोड देश-विदेश के पूंजीपतियों के हित में बनाए गए हैं और इन्हें लॉकडाउन के दौरान धोखे से पारित किया गया था।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, संयुक्त किसान मोर्चा और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर चार श्रम संहिताओं के विरोध में कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। विभिन्न संगठनों से जुड़े कर्मचारी एवं किसान बुधवार करीब बारह बजे लघु सचिवाल परिसर में एकत्रित हुए। प्रदर्शन की अध्यक्षता दिलबाग दलाल, सुरेंद्र सिवाच और मुकेश ने की जबकि संचालन किरण और शिवम द्वारा किया गया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर मजदूर हितों को कमजोर किया गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ये नए लेबर कोड देश-विदेश के पूंजीपतियों के हित में बनाए गए हैं और इन्हें लॉकडाउन के दौरान धोखे से पारित किया गया था। बीती 21 नवंबर से लागू नई श्रम संहिताओं ने मजदूरों को मिलने वाली मामूली सुरक्षा भी खत्म कर दी है। सरकार लगातार सरकारी विभागों को निजी हाथों में सौंप रही है, जबकि लाखों पद खाली पड़े हैं और बेरोजगार युवा नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए लेबर कोड में 12 घंटे की ड्यूटी, 300 से कम श्रमिक वाली फैक्ट्रियों में बिना सरकारी अनुमति छंटनी और महिलाओं से रात की ड्यूटी जैसे प्रावधान मजदूरों के हितों पर चोट हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा श्रम संहिताओं की प्रतियां भी प्रतीकात्मक रूप से जलाई गईं। इसके बाद उन्होंने लघु सचिवालय के मुख्य गेट से प्रदर्शन करते हुए नायब तहसीलदार अशोक कुमार के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

ऐतिहासिक होगा पार्टी का आठवां स्थापना दिवस कार्यक्रम : अजय

झज्जर। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित डॉक्टर अजय सिंह चौटाला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जन नायक जनता पार्टी द्वारा आगामी सात दिसंबर को जुलाना में मनाए जाने वाले पार्टी के 8वें स्थापना दिवस को लेकर तैयारी शुरू कर दी हैं। स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर बुधवार को जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला ने जिला पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि यह रैली ऐतिहासिक होगी। इसे सफल बनाने के लिए सबसे पहला काम संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को जोड़ना है। उन्होंने कहा की जेजेपी सभी पुराने व नए कार्यकर्ताओं को एकजुट करके अपना स्थापना दिवस मनाएगी। आने वाले 12 दिन बेहद महत्वपूर्ण है। सभी कार्यकर्ताओं को चाहिए वे पूरी मेहनत व निष्ठा से काम करे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस विशाल रैली में झज्जर सबसे अधिक मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। वर्तमान प्रदेश सरकार को लेकर डॉक्टर अजय चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री सिर्फ जुमलों की राजनीति कर रहे हैं। कानून व्यवस्था प्रदेश में पूर्ण रूप से असफल है। किसान की हालत बद से बदतर हो चुकी है। उन्हें न तो उनकी फसल का उचित दाम मिला और ना ही कोई मुआवजा दिया गया है।

गांव-गांव पहुंच कर दिया जाएगा निमंत्रण : पार्टी प्रवक्ता डॉक्टर विकास पाराशर ने बताया कि जजपा का हर कार्यकर्ता रैली को सफल बनाने की तैयारियों में जुट गया है। कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव पहुंच कर लोगों को रैली में पहुंचने का निमंत्रण दिया जाएगा। इस मौके पर जिला प्रधान संजय दलाल, जिला प्रभारी कर्नल एसएस राठी, राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जाखड़, पूर्व जिला प्रधान व प्रभारी उपेंद्र कादियान, प्रीतम कुकड़ौला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

जन सेवा संस्थान में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

बहादुरगढ़। जन सेवा संस्थान में बुधवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान में रह रहे वृद्धजनों, दिव्यांगों व बेसहारा लोगों की इस शिविर में तमाम स्वास्थ्य जांच की गईं। डॉक्टरों ने सभी लाभार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी सुझाव भी दिए। शिविर का शुभारंभ भाजपा नेता दिनेश कौशिक के पुत्र नकुल कौशिक ने किया। नकुल ने महामंडलेश्वर डा. स्वामी परमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा में योगदान देना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने संस्थान की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की और आगे भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने बेसहारा एवं वृद्ध लोगों की बीपी, शुगर, कैल्शियम, हीमोग्लोबिन और अन्य सामान्य स्वास्थ्य जांच कीं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

इंजीनियर से लूट के संबंध में केस दर्ज

बहादुरगढ़। गांव निलोठी में इंजीनियर से हुई वारदात के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस वारदात करने वाले दो अज्ञात युवकों को तलाश रही है। हालांकि बुधवार शाम तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। दिल्ली के निवासी संजय का कहना है कि वह निलोठी स्थित मंगलनाथ आश्रम परिसर में आया था। रात करीब ढाई बजे गाड़ी में बैठा था और सुबह का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक गाड़ी सवार युवक आया और पूछताछ करने लगा। फिर दोबारा एक साथी के साथ आया और डंडे से प्रहार कर हाथ तोड़ दिया। गाड़ी का शीशा तोड़कर लेपटॉप व फोन ले गया। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गाड़ी का नंबर पुलिस को मिल गया है। इस आधार पर उन तक पहुंचने का प्रयास करेगी।

समसपुर माजरा में खुशी का माहौल

दिशा धनखड़ ने जयपुर में जीते दो सिल्वर मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

अभिनव शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी दिशा धनखड़ ने राजस्थान की जगतपुरा शूटिंग रेंज जयपुर में आयोजित किए जा रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में 2 रजत पदक जीते। दिशा ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर राइफल वूमेन कैटेगरी में सिल्वर मेडल और टीम इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता।

बता दें कि जयपुर में हुई इस प्रतियोगिता में देशभर की विभिन्न यूनिवर्सिटीज के खिलाड़ियों ने भाग लिया। दिशा के पिता फूलचंद धनखड़ ने बताया कि इस दोहरी जीत के बाद उनके गांव समसपुर माजरा में भी खुशी का माहौल है। अभिनव शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों में भी उत्साह छाया हुआ है। कोच प्रदीप कुमार ने बताया कि दिशा पिछले 4 साल से राष्ट्रीय प्रतियोगिता, खेलो इंडिया यूथ गेम्स और एशियाई चैंपियनशिप में लगातार मेडल जीत रही है। उसने एक बार फिर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में दो सिल्वर मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। इस डबल जीत से अकादमी के दूसरे खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। आने वाले समय में ये खिलाड़ी भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

संविधान निर्माता को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शहर के अंबेडकर चौक पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर शहर के प्रबुद्धजनों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को नमन किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एवं भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान देश की मूल आत्मा है, जो प्रत्येक नागरिक को समानता, न्याय, स्वतंत्रता और भाईचारे की राह दिखाता है।

उन्होंने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि संविधान का सम्मान और पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संविधान के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस मौके जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, सुनीता चौहान, मनीष बंसल, संदीप चौहान, रवि बराही, मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला सहित अन्य भी उपस्थित रहे। इस दौरान मौजूदा जनसमूह ने संविधान की गरिमा और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने की शपथ भी ली।

झज्जर। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए भाजपा कार्यकर्ता।

छारा कॉलेज में एक दिवसीय एनएसएस शिविर में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट पर हुआ मंथन

क्विज में सोनिया, भूपेंद्र और अजय की टीम रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करती प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को कार्यकारी प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल के दिशानिर्देशन में दो कार्यक्रम हुए। एनएसएस इकाई द्वारा एक दिवसीय विशेष शिविर में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया।

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अश्वनी कुमार ने प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों से अवगत करवाया। पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका तथा जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से रिड्यूज, रियूज, रिसाइकिल के सिद्धांत को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ ललिता दलाल और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प लिया।

विजेता सम्मानित

संविधान दिवस पर हुई क्विज प्रतियोगिता का संचालन राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर मोहित द्वारा किया गया। इसमें सोनिया, भूपेंद्र और अजय की टीम प्रथम स्थान पर रही। गुंजन, नीतू और चेतना की टीम द्वितीय स्थान पर रही। कीर्ति, मुस्कान और मुस्कान कुमारी की टीम तृतीय स्थान पर रही। सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मोहित ने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया कार्यकारी प्राचार्या डॉ. अनीता दलाल ने पर्यावरण संरक्षण, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

डकैती और अपहरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत डकैती और अपहरण मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी कर्मवीर ने बताया कि बीते 30 अक्टूबर को महाराष्ट्र निवासी सतीश अपनी गाड़ी में धान की फसल लेने के लिए झज्जर मंडी आया हुआ था। जब वह झज्जर–रेवाड़ी हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो दो गाड़ियों में आए लगभग छह युवकों ने उसकी गाड़ी को रोक लिया। आरोपियों ने पीड़ित सतीश के साथ मारपीट की, वाहन के शीशे तोड़ दिए तथा गाड़ी में रखे लगभग 11 लाख रुपए और उसका पर्स छीन लिया। इसके उपरांत पीड़ित को आरोपियों के अन्य साथियों को सौंप दिया गया, जो उसे जबरन हिमाचल प्रदेश ले गए और वहां उसके साथ मार पिटाई की गई। बाद में पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह के आदेशानुसार इस मामले की जांच सीआईए झज्जर को सौंपी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए उप-निरीक्षक आजाद कुमार की टीम ने जांच करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया।